## पद ६३

(राग: अरभी दुर्गा - ताल: दादरा)

गा तुम्ही हेरंबा। बिंबाधर सुनितंबा। शारदांब चिद्विंबा। तत्तारक नाना धिन् धिन् त्रिक धिन् धिन्न धा। गन्न गन्न धा गन्न हा।।धु.।। सुखकर सकलारंभा। करधृत सुस्वर तुंबा।।१।। लालिता शुंडादंडा। कलगर्जित मदगंडा। सुजनाल्हादक तुंडा। ज्ञानिकरण मार्तांडा।।२॥